BSES

अब "पॉश" सैनिक फार्म्स के निवासियों को भी मिलेगी बिजली

डीईआरसी ने दी हरी झंडी

- विद्युतीकरण पर बीएसईएस करेगी 22 करोड़ रूपये खर्च, बिजली चोरी पर भी लगेगा अंकुश
- बड़े पैमाने पर शुरू हुआ विद्युतीकरण का काम, 20 हजार लोगों को होगा फायदा
- 85 किलोमीटर लंबी तारें बिछाई जाएंगी, 60 ट्रांसफॉर्मर लगेंगे, एरियल बंच्ड केबल का होगा उपयोग
- 500 घरों में बिजली सप्लाई हो चुकी है शुरू
- अब तक ठेकेदार जेनरेटर सेट्स से मुहैया कराते थे बिजली, वसूलते थे 15 रूपये प्रति यूनिट

नई दिल्ली, 1 दिसंबर, 2008। दिल्ली के सर्वाधिक पॉश इलाकों में से एक सैनिक फार्म्स को भी अब बिजली मिलेगी। पिछले 40 सालों से भी अधिक समय से "अंधेरे" में रह रहे यहां के निवासी अब बीएसईएस की बिजली सप्लाई ले पाएंगे। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग– डीईआरसी– से हरी झंडी मिलने के बाद, बीएसईएस ने बड़े पैमाने पर यहां विद्युतीकरण का काम शुरू कर दिया है। इन दिनों सैनिक फार्म्स के वेस्टर्न एवेन्यू, अनुपम गार्डन्स, फॉरेस्ट लेन और नेब वैली जैसी कॉलोनियों में कंपनी अपना नेटवर्क बिछा रही है। उल्लेखनीय है कि सैनिक फार्म्स दिल्ली का ऐसा एकमात्र इलाका था, जहां बिजली वितरण नेटवर्क नहीं था और यहां के लोगों को निजी ठेकेदारों से महंगी दरों पर जेनरेटर की बिजली खरीदनी पड़ रही थी।

सैनिक फार्म्स में अपना नेटवर्क बिछाने पर बीएसईएस 22 करोड़ रूपये से भी अधिक खर्च कर रही है। यहां कुल 85 किलोमीटर लंबी तारें बिछाई जाएंगी, और 60 ट्रांसफॉर्मर्स लगाए जाएंगे। कंपनी इस इलाके में एलवीडीएस (लो वोल्टेज डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम) तकनीक ला रही है और पूरे इलाके में एरियल बंच्ड केबल्स (एबीसी) बिछा रही है। ये केबल्स जहां एक ओर बिजली की विश्वसनीय व गुणवत्तायुक्त आपूर्ति सुनिश्चित करेंगी, वहीं ये बारिश व आंधी– तूफान आदि में भी नहीं टूटेंगी व बिजली सप्लाई जारी रहेगी। इसके अलावा, इन केबल्स से बिजली की चोरी करना भी अत्यधिक मुश्किल हो जाएगा। इन केबल्स से लोकल फॉल्ट्स में कमी आएगी और इनका रखरखाव भी आसान होगा। 400 एकड़ में फैली इस कॉलोनी की आबादी 20 हजार लोगों की है।

फिलहाल, सैनिक फार्म्स में 7 ट्रांसफॉर्मर्स लगाए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से अनुपम गार्डन्स, वेस्टर्न एवेन्यू और नेब वैली के करीब 500 घरों में बिजली की सप्लाई शुरू भी कर दी गई है। सैनिक फार्म्स की दूसरी कॉलोनियों जैसे – डिफेंस सर्विसेज एन्कलेव, करिअप्पा मार्ग, नेब सराय एक्सटेंशन आदि में भी व्यापक स्तर पर विद्युतीकरण का काम चल रहा है और उम्मीद की जा रही है कि कुछ महीनों के भीतर पूरे सैनिक फार्म्स में बिजली दे दी जाएगी।

बीएसईएस के सीईओ श्री अरूण कंचन का कहना है– सैनिक फार्म्स के लिए यह एक ऐतिहासिक कदम है। 1967 में अस्तित्व में आने के बाद से, पहली बार सैनिक फार्म्स को कानूनी और सस्ती बिजली नसीब होगी। अब तक इलाके के निवासी बिजली के लिए, डीजल जेनरेटरों के माध्यम से बिजली मुहैया कराने वाले ठेकेदारों पर निर्भर थे, जो उन्हें 15 रूपये प्रति यूनिट से भी अधिक की कीमत पर बिजली मुहैया कराते थे। अब जबकि इलाके का विद्युतीकरण हो रहा है, ऐसे में जल्द ही यहां के निवासियों की बिजली संबंधी दिक्कतों का समाधान हो जाएगा।

श्री कंचन ने कहा– इलाके के विद्युतीकरण के लिए बीएसईएस स्थानीय रेजिडेंट्स वेलफेयर असोसिएशंस – आरडब्ल्यूए– के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि उन स्थानों को चिह्नित किया जा सके जहां ट्रांसफॉर्मर्स व अन्य विद्युत उपकरण लगाए जाने हैं। सीईओ ने कहा कि जल्द ही सैनिक फार्म्स में विद्युतीकरण के काम को पूरा कर लिया जाएगा।

गौरतलब है कि इलाके में चलने वाले डीजल जेनरेटर सेट्स की वजह से यहां ध्वनि और वायु प्रदूषण भी काफी बढ़ गया था, जिसमें अब कमी आएगी।

बीएसईएस के प्रवक्ता के मुताबिक–सैनिक फार्म्स में विद्यीकरण से इलाके के 20 हजार लोगों को विश्वसनीय, गुणवत्तायुक्त व सस्ती बिजली मिलेगी और साथ ही, बिजली चोरी में भी कमी आएगी। गौरतलब है कि कानूनी बिजली की कमी के कारण, बिजली ठेकेदारों द्वारा ऊंचे दामों पर जेनरेटर की बिजली से बचने के लिए कई लोग बीएसईएस के तारों पर कंटिया डालकर बिजली की चोरी भी कर रहे थे। अब तक बीएसईएस ने सैनिक फार्म्स में 5000 किलोवॉट से अधिक की बिजली चोरी पकड़ी है और 300 लोगों को भी इस आरोप में पकड़ा है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304